बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 15 ● नई दिल्ली ● मंगलवार 21 अक्तूबर 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

जनता और पुलिस की भागीदारी से सुरक्षा व्यवस्था को स्थापित किया जा सकता है -:सुरेंद्र सिंह

नई दिल्ली। आने वाले त्योहारों को लेकर शर्मा एजुकेशनल एंड पॉलिटेक्निक सोसाइटी, नागरिक सुरक्षा समिति और जाफराबाद आर डब्लू ए ने थाना जाफराबाद के एसएचओ सुरेंद्र सिंह के साथ आने वाले त्योहारों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक खास बैठक का आयोजन किया। थाना जाफराबाद के एसएचओ इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जनता और पुलिस मिलकर ही समाज में शांति ,व्यवस्था ,अमन भाईचारा आसानी से स्थापित कर सकते हैं ,आने वाले त्योहारों को लेकर हम सबको जागरूक होना पड़ेगा हमें ध्यान रखना पड़ेगा सोशल मीडिया पर फर्जी और भड़काऊ पोस्ट को शेयर ना करें अपने आसपास संदिग्ध व्यक्ति और लावारिस सामान को देखते ही पुलिस को खबर करें,त्योहार खुशियां लाते है

कांग्रेस ने दिल्ली में प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री का लगाया आरोप

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि हरित पटाखों की बिक्री की मंजूरी की आड़ में राजधानी में प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है, जिस पर लगाम लगाने में रेखा गुप्ता सरकार नाकाम साबित हो रही है। दिल्ली सरकार ग्रीन पटाखों की बात पिछले दो हफ्ते से कर रही है लेकिन प्रतिबंधित पटाखों पर नियंत्रण के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अमल करने के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है। देवेंद्र यादव ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि ग्रीन पटाखों की अनुमति के बाद दीपावली पर पटाखों के इस्तेमाल 40 प्रतिशत बढ़ सकता है, जिसकी आड़ में राजधानी में प्रतिबंधित पटाखों की खुली बिक्री के कारण दीपावली के बाद भारी

प्रदूषण होगा, जिसके लिए भाजपा जिम्मेदार है। दिल्ली में ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति की आड़ में प्रतिबंधित पटाखे नजफीकी क्षेत्रों गुरुग्राम, गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद से बड़ी संख्या में दिल्ली में आ रहे है, जिस पर निगरानी के लिए दिल्ली की रेखा गुप्ता का का कोई नियंत्रण नहीं है। देवेंद्र यादव ने कहा कि एक अध्ययन में सामने आया है जिसमें आधे से अधिक लोगों ने परम्परागत प्रतिबंधित पटाखे चलाने को स्वीकारा है।

मतलब साफ है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री दिल्ली एनसीआर में धड़ल्ले से हो रही है। उन्होंने कहा कि पिछले साल पूरी तरह से पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद भी लोगों ने नियम तोड़कर पटाखे जलाए थे, जिससे दीपावली के बाद वायु प्रदूषण में भारी वृद्धि हुई थी। देवेंद्र यादव ने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) का पूर्वानुमान है कि अगर दीपावली पर ज्यादा पटाखे जलाए गए तो 21 अक्टूबर को वायु प्रदूषण की स्थिति बहुत खतरनाक स्तर पर पहुंच सकती है। जिससे सांस के मरीजों को दिक्कत का सामना करना पड़ेगा और आंखों में जलन जैसी समस्या भी हो सकती है।

सड़कों पर अधिक संख्या में वाहनों की मौजूदी और ट्रैफिक जाम के कारण वाहनों का उत्सर्जन और स्थानीय कारकों से पहले ही एक्यूआई 300 के पार दर्ज हो रहा है। आनन्द विहार में एक्यूआई 396, बजीरपुर में 353 के साथ जहांगीरपुरी, बवाना, द्वारका सेक्टर 8, सिरी फोर्ट, ओखला फेस-2, विवेक विहार, मथुरा रोड और शौला कुंआ पर एक्यूआई 300 के पार बेहद खराब श्रेणी में प्रदूषण रहा।

दिल्ली में डबल मर्डर: महिला व उसके कथित प्रेमी की चाकू गोदकर हत्या, पति घायल

नई दिल्ली, (हि.स.)। मध्य जिले के नबी करीम इलाके में शनिवार देर रात प्रेम प्रसंग के विवाद में एक महिला और उसके कथित प्रेमी की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। महिला का पति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामले में हत्या व हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान अमरपुरी, नबी करीम निवासी आशू उर्फ शैलेन्द्र (34) और प्रताप नगर निवासी शालिनी (22) के रूप में हुई है। शालिनी का घायल पति आकाश (23) अस्पताल में भर्ती है। शालिनी गर्भवती थी, घटना में गर्भ में पल रहे बच्चे की भी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, शनिवार रात करीब 10:15 बजे, आकाश अपनी पत्नी शालिनी के साथ शालिनी की मां शीला से मिलने कुतुब रोड, नबी करीम पहुंचा था। उसी दौरान आशू वहां आया और आकाश पर चाकू से हमला करने की कोशिश की। आकाश किसी तरह बच गया लेकिन आशू ने ई-रिक्शा में बैठी शालिनी पर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर दिए। पत्नी पर हमला देख आकाश उसे बचाने दौड़ा तो आशू ने उस पर भी चाकू से वार किया। बताया जा रहा है कि झगड़े के दौरान आकाश ने आशू को काबू में कर लिया और उसी चाकू से उस पर पलटवार कर दिया। घायल अवस्था में तीनों को अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने शालिनी और आशू को मृत घोषित कर दिया। आकाश का इलाज जारी है। शालिनी की मां शीला के मुताबिक, शालिनी और आकाश की शादी हुई थी और उनके दो बच्चे भी हैं। शालिनी गर्भवती थी।

कुछ समय पहले शालिनी का संबंध आशू से था और वह उससे लिव-इन में भी रही थी। बाद में उसने आशू को छोड़कर दोबारा पति आकाश के साथ रहना शुरू किया था जिससे आशू नाराज था। आशू खुद को शालिनी के गर्भ का पिता बताता था, जिससे दोनों पुरुषों के बीच तनाव चल रहा था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आशू थाना नबी करीम का घोषित बदमाश (बीसी) था। जबकि आकाश के खिलाफ भी तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पूर्व प्रधानमंत्री ओली का दावा- इस्तीफा देने के बाद सेना ने जब्त कर लिया था

काठमांडू, (हि.स.)। पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली ने आज दावा किया है कि पद से इस्तीफा देने के बाद सेना ने तत्काल उनका मोबाइल जब्त कर लिया था और अंतरिम सरकार के शपथग्रहण के बाद ही उन्हें मोबाइल लौटाया गया। काठमांडू में रविवार को विभिन्न मीडिया के संपादकों से बातचीत करते हुए ओली ने कहा कि 8 सितंबर की घटना के बाद से ही सेना की तरफ से उन पर पद छोड़ने का दबाव दिया जाने लगा था। ओली ने कहा कि जब प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री के सरकारी आवास को चारों ओर से घेर लिया, तब उन्होंने प्रधान सेनापति से सुरक्षा दिए जाने की मांग की, लेकिन उन्होंने कहा कि जान की सुरक्षा तब की जाएगी, जब वो अपने पद से इस्तीफा दे

देंगे। ओली ने संपादकों से कहा कि सेना के सुरक्षा देने से इनकार करने पर मजबूरन उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। ओली ने उस दावे का खंडन किया, जिसमें उनके द्वारा सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में सिफारिश किए जाने की बात कही जा रही है। ओली ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति को लिखे अपने इस्तीफे में स्पष्ट लिखा था कि वर्तमान राजनीतिक संकट का समाधान संविधान के दायरे में और संसद के भीतर ही खोजा जाए, लेकिन उनके इस सुझाव को दरकिनार किया गया।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान युद्ध विराम पर सहमत, दोहा में हुई उच्चस्तरीय

दोहा, (हि.स.)। कतर की राजधानी दोहा में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हुई एक उच्चस्तरीय वार्ता में तत्काल प्रभाव से संघर्ष विराम को लेकर सहमति बनी है। संघर्ष विराम के प्रभावी कार्यान्वयन पर चर्चा के लिए दोनों देशों के प्रतिनिधि अगले चरण में दोहा और इस्लामाबाद में बैठक करेंगे। दोनों देशों के बीच सीमा पर पिछले एक पखवाड़े से चल रहा टकराव लगातार गंभीर रूप ले रहा था जिसमें दोनों तरफ से सैन्यकर्मियों के साथ-साथ आम लोगों की भी मौत हुई। कतर के विदेश मंत्रालय की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान के मुताबिक उसके

और तुर्की की मध्यस्थता में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच दोहा में हुई उच्चस्तरीय वार्ता में दोनों देश तत्काल संघर्ष विराम पर सहमत हुए हैं। कतर ने उम्मीद जताई है कि यह समझौता पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव को कम कर क्षेत्रीय स्थिरता स्थापित करेगा। दोहा में हुई इस बातचीत में दोनों देशों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। गल्फ न्यूज के मुताबिक पाकिस्तान की तरफ से रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ और खुफिया प्रमुख जनरल असीम मलिक ने हिस्सा लिया। अफगान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद के मुताबिक रक्षा मंत्री मुल्ला मुहम्मद याकूब के नेतृत्व में एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस बातचीत में शामिल हुआ जिसमें खुफिया प्रमुख अब्दुल हक वकीक भी शामिल हुए। वार्ता से पहले पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि अफगानिस्तान से सीमा पार आतंकवाद समाप्त करने और सीमा पर शांति और स्थिरता की बहाली के उपाय किए जाने पर यह बातचीत केंद्रित होगी।

बयान में कतर की मध्यस्थता पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई गई कि ये चर्चाएं क्षेत्र में शांति और स्थिरता हासिल करने में योगदान देंगी। दोनों देशों के बीच पिछले करीब एक पखवाड़े से चला आ रहा टकराव उस समय भीषण रूप लेता जा रहा था जब संघर्ष विराम के बीच एक हवाई हमले में अफगानिस्तान के तीन क्रिकेटरों की मौत हो गई। अफगानिस्तान सरकार का दावा था कि पाकिस्तान ने संघर्षविराम का उल्लंघन करते हुए आम लोगों को निशाना बनाया है। जबकि पाकिस्तान ने आरोप लगाते हुए कहा कि उसने अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय आतंकी शिविरों को निशाना बनाया।

धनतेरस के बाद सराफा बाजार में सपाट कारोबार, सोना और चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, (हि.स.)। धनतेरस के अगले दिन आज घरेलू सराफा बाजार में आज सोना और चांदी बिना किसी बदलाव के सपाट स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। कीमत में बदलाव नहीं होने की वजह से देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,30,860 रुपये से लेकर 1,31,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज भी 1,19,950 रुपये से लेकर 1,20,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी कोई परिवर्तन नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज भी 1,72,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 5,780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की

उछाल दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 5,300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है।

सोने के विपरीत पूरे सप्ताह के कारोबार में चांदी के भाव में साप्ताहिक आधार पर 8,000 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी आ गई है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,31,010 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,20,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,30,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,30,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,20,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,30,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,19,950 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,30,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,31,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,20,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

श्रमिकों के साथ मंत्री कपिल मिश्रा ने मनाई दिवाली, बोले -आस्था और उत्सव पर अब रोक नहीं

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने रविवार को नेताजी नगर स्थित एनबीसीसी निर्माण स्थल पर कार्यरत श्रमिक भाइयों-बहनों और उनके परिवारों के साथ दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दीपावली केवल रोशनी का नहीं बल्कि श्रम, समानता और सम्मान का पर्व है। कपिल मिश्रा ने कि कई वर्षों तक दिल्ली में आस्था और उत्सवों पर तरह-तरह की रोक लगाई जाती रही – दीपावली पर पटाखों पर प्रतिबंध, छठ पूजा पर यमुना किनारे पूजा करने तक की मनाही। पिछली सरकारें आस्था और परंपराओं के विरोध में दिखाई देती थीं। उन्होंने कहा कि अब सरकार बदल चुकी है, और नई सरकार ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। इस बार अनुशासन और पर्यावरण के संतुलन के साथ दीपावली मनाएंगे। जैसे पूरा देश और दुनिया दीपावली मनाती है, वैसे ही अब दिल्लीवासियों को भी दीपावली मनाने का अधिकार मिला है। अब दिल्ली में आस्था और उत्सव पर रोक नहीं, बल्कि सम्मान और प्रोत्साहन की नीति चलेगी। अंत में श्री कपिल मिश्रा ने कहा कि

दिल्ली सरकार श्रमिक वर्ग को सम्मानजनक जीवन और समान अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने सभी दिल्लीवासियों से अपील की कि वे स्वच्छ, हरित और सामूहिक भावना के साथ दीपावली मनाएं।

रेखा गुप्ता ने वासुदेव घाट पर छठ की तैयारियों का निरीक्षण किया, बोलीं- यमुना निर्मल

नई दिल्ली, (हि.स.)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कश्मीरी गेट स्थित यमुना नदी के वासुदेव घाट पहुंचकर आगामी छठ महापर्व की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थल पर चल रहे सफाई, समतलीकरण, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े कार्यों की समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार इस बार छठ पर्व को पहले से कहीं अधिक भव्य, सुरक्षित और व्यवस्थित रूप में आयोजित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री के साथ इस निरीक्षण में दिल्ली सरकार के विकास व पर्यटन मंत्री श्री कपिल मिश्रा भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यमुना नदी का जल पहले से अधिक स्वच्छ और निर्मल हो गया है और झाग या अन्य प्रकार के प्रदूषण की कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि घाटों की सफाई और समतलीकरण के लिए जेसीबी

मशीनों द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि दिल्ली सरकार के सभी विधायक, मंत्री और अधिकारी स्वयं मैदान में उतरकर तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार दिल्ली के पल्ला से लेकर कालिंदी कुंज तक सभी घाटों पर सफाई, समतलीकरण और स्वच्छता के कार्य युद्धस्तर पर कर रही है। मुख्यमंत्री ने यह कहा कि इस बार का छठ पर्व दिल्लीवासियों के लिए विशेष और यादगार होगा। जिस तरह इस वर्ष की दीपावली अभूतपूर्व तरह से मनाई जा रही है, उसी प्रकार छठ महापर्व भी राजधानी में भव्यता और सुव्यवस्था का नया मानक स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री के अनुसार दिल्ली ने जिस प्रकार कांवड़ यात्रा, रामलीला, दुर्गा पूजा और दिवाली जैसे आयोजनों में एक नई पहचान बनाई है, उसी तरह इस बार छठ पर्व पर भी दिल्लीवासी 'बदली हुई दिल्ली' का अनुभव करेंगे। एक ऐसी दिल्ली जो श्रद्धा, संस्कृति और स्वच्छता का संगम बनेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी छठ घाटों पर सुरक्षा, स्वच्छता, जल व्यवस्था, ट्रैफिक नियंत्रण, प्रकाश व्यवस्था और चिकित्सा सहायता के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का संकल्प है कि हर श्रद्धालु को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण मिले, जिससे दिल्ली की छवि एक आदर्श धार्मिक और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में और निखरे।

बदलते समय में भाई दूज-प्रेम और अपनापन कैसे बना रहे

त्योहार अब सिर्फ़ रस्म नहीं, रिश्तों की परीक्षा बनते जा रहे हैं — सवाल यह है कि क्या हमारे दिलों में अब भी वही स्नेह बचा है? भाई दूज सिर्फ़ तिलक और मिठाई का त्योहार नहीं, बल्कि रिश्तों की वह डोर है जो समय की रफ़्तार में भी स्नेह का रंग बनाए रखती है। पर बदलते दौर में जहाँ मुलाकातें वीडियो कॉल पर सिमट गई हैं और तिलक डिजिटल इमोजी बन गया है, वहाँ यह सवाल उठता है — क्या रिश्तों की गर्माहट अब भी वैसी ही है? भाई दूज हमें याद दिलाता है कि प्रेम केवल परंपरा नहीं, आत्मीयता का अभ्यास है। यह त्योहार हमें अपने व्यस्त जीवन में अपनापन लौटाने का अवसर देता है।

— डॉ. प्रियंका सौरभ

दीवाली के बाद का शांत उजाला जब धीरे-धीरे घरों में उतरता है, तब आती है भाई दूज की सुबह – मिठास और ममता से भरी। बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाती हैं, आरती करती हैं और मन ही मन यह कामना करती हैं कि उनका भाई सदा सुखी रहे। बदले में भाई बहन को उपहार देता है और यह वादा कि जीवनभर उसका साथ निभाएगा। यह दृश्य जितना सरल लगता है, उतना ही गहरा भी है। क्योंकि यह सिर्फ एक तिलक नहीं, रिश्तों में भरोसे, सुरक्षा और प्रेम की लकीर खींचने का संस्कार है। लेकिन आज जब समय बदल रहा है, रिश्तों की परिभाषाएं बदल रही हैं, तब यह सवाल उठता है कि क्या भाई दूज का वही अपनापन और स्नेह अब भी पहले जैसा है? क्या भाई-बहन का रिश्ता अब भी उतना ही सहज, निर्भीक और भावनाओं से भरा है, जैसा कभी गाँव की मिट्टी और आँगन की धूप में होता था?

कभी भाई दूज सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव हुआ करता था। बहनें सवेरे से तैयार होकर भाई की प्रतीक्षा करती थीं, घरों में पकवानों की खुशबू फैल जाती थी। भाई दूर-दूर से बहन के घर पहुँचते थे, क्योंकि यह दिन मिलन का होता था। न कोई दिखावा, न औपचारिकता- बस भावनाओं का सच्चा प्रवाह। उस समय रिश्तों में दूरी नहीं, दिलों की गर्माहट थी। आज भी भाई दूज मनाया जाता है, पर उसकी आत्मा कहीं धुंधली पड़ने लगी है। अब भाई दूज का तिलक कई बार व्हाट्सएप पर भेजे गए इमोजी से लग जाता है, राखी और तिलक दोनों ऑनलाइन ग्रीटिंग्स में सिमट गए हैं। -भाई दूज मुबारक- का संदेश सोशल मीडिया पर चमकता है, पर उसके पीछे की नजरों में अब वो अपनापन नहीं दिखता जो किसी बहन की आँखों में तब झलकता था जब वह अपने भाई का चेहरा देखती थी। यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, संवेदना का भी है। समय ने हमें जोड़ा जरूर है, पर जोड़े हुए रिश्ते अब दिलों से ज्यादा डिवाइसों में रहने लगे हैं। भाई दूज जैसे पर्व जो निकटता, स्नेह और संवाद के प्रतीक थे, अब -स्टेटस अपडेट- बनते जा रहे हैं। इस बदलाव की जड़ें आधुनिक जीवन की भागदौड़, व्यावसायिकता और आत्मकेंद्रित सोच में हैं, जिसने हमें अपनों से दूर कर दिया है।

भाई दूज का पर्व केवल बहन की पूजा नहीं, बल्कि उस भावनात्मक संतुलन का प्रतीक भी है, जिसमें भाई सुरक्षा देता है और बहन संवेदना। दोनों एक-दूसरे की जरूरत बनकर रिश्तों के समाज का ढांचा खड़ा करते हैं। लेकिन आज की पीढ़ी में यह रिश्ता धीरे-धीरे औपचारिक होता जा रहा है। शहरों में बढ़ती व्यस्तता, प्रवास, और आत्मनिर्भर जीवनशैली ने भाई-बहन के रिश्तों को एक 'मौके की मुलाकात' बना दिया है।

जहाँ पहले भाई अपनी बहन के घर जाकर दिन भर का समय उसके परिवार के साथ बिताता था, अब वह मुलाकात कुछ मिनटों या वीडियो कॉल तक सीमित रह जाती है। बहनें भी अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं, भावनात्मक रूप से मजबूत हैं, और जीवन के हर फैसले खुद लेती हैं। यह बदलाव सकारात्मक भी है, क्योंकि अब बहनें -सुरक्षा की मोहताज- नहीं, बल्कि बराबरी के आत्मसम्मान की प्रतीक हैं। मगर इस बराबरी के दौर में भी रिश्तों की गर्माहट बनी रहना जरूरी है।

त्योहारों का उद्देश्य ही यही होता है-रिश्तों को दोबारा गढ़ना, दूरी मिटाना। भाई दूज हमें हर साल यह याद दिलाती है कि रिश्तों का पोषण केवल खून से नहीं, व्यवहार से होता है। लेकिन आधुनिकता की रफ्तार ने हमें इतना व्यस्त कर दिया है कि हम भावनाओं को भी समय-सारिणी में बाँधने लगे हैं। कभी-कभी लगता है कि रिश्ते अब कैलेंडर पर टिके कुछ त्योहारी दिनों के मेहमान बन गए हैं।

आज की बहनें केवल उपहार नहीं, भावनात्मक साझेदारी चाहती हैं। उन्हें यह नहीं चाहिए कि भाई बस त्यौहार पर पैसे या गिफ्ट दे दे; वे चाहती हैं कि भाई उन्हें समझे, उनका सम्मान करे, उनके निर्णयों में साथ खड़ा रहे। और भाई भी चाहते हैं कि बहन सिर्फ स्नेह की मूर्ति नहीं, बल्कि सहयोग और संवेदना की साझेदार बने। यही रिश्ते का नया रूप है- बराबरी और आत्मीयता का संतुलन।

भाई दूज अब केवल बहन की सुरक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और संवाद का भी प्रतीक बनना चाहिए। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि भाई-बहन का रिश्ता सिर्फ बचपन का नहीं होता, वह उम्रभर का साथ है। भले जीवन के रास्ते अलग हों, पर दिलों के रास्ते जुड़े रहने चाहिए।

आज का समाज रिश्तों को प्रोडक्टिविटी और प्रोफेशनलिज्म- की कसौटी पर तौलने लगा है। हम दोस्ती में भी फायदे ढूंढते हैं, तो पारिवारिक रिश्ते भी कभी-कभी बोझ लगने लगते हैं।

भाई दूज ऐसे ही समय में हमें झकझोरती है-कि प्रेम का कोई विकल्प नहीं होता। तकनीक रिश्ते बना सकती है, पर आत्मीयता केवल स्पर्श, मुस्कान और अपनापन से आती है।

यह सही है कि समय बदल रहा है और रिश्तों की शैली भी बदलनी चाहिए। लेकिन हर बदलाव में भावनाओं का बीज बचा रहना जरूरी है। भाई दूज के पर्व को नया अर्थ देना होगा—जहाँ भाई और बहन दोनों एक-दूसरे की भावनाओं, संघर्षों और स्वतंत्रता का सम्मान करें। त्योहार तभी जीवित रहते हैं जब वे समय के साथ अपनी आत्मा को बचाए रखते हैं।

आज की बहनें अपने भाइयों से केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि समानता चाहती हैं और भाई भी यह समझने लगे हैं कि बहन की स्वतंत्रता उसकी शक्ति है, विद्रोह नहीं। यह समझदारी इस रिश्ते को और गहरा बना सकती है। भाई दूज अब उस सामाजिक ढांचे का प्रतीक बन सकता है जहाँ पुरुष और स्त्री के बीच सहयोग और संवेदना का रिश्ता हो, न कि संरक्षण और निर्भरता का।

कभी-कभी लगता है कि त्योहारों की भी अपनी भाषा होती है, जो हमें वह सब याद दिलाती है जिसे हम रोजमर्रा की जिंदगी में भूल जाते हैं। भाई दूज की भाषा है—स्मृति और स्नेह की। यह पर्व हमें उस समय में ले जाता है जब हम बिना कारण किसी की परवाह करते थे, जब रिश्ते लेन-देन नहीं, जीवन का आधार थे। इस पर्व के बहाने हमें अपने भीतर झाँकना चाहिए—क्या हम अब भी उतने ही आत्मीय हैं जितने बचपन में थे?

अगर इस सवाल का उत्तर 'हाँ' है तो यह त्योहार जीवित है। और अगर उत्तर 'न' है, तो हमें इसे फिर से जीवित करना होगा—किसी सोशल मीडिया पोस्ट से नहीं, बल्कि सच्चे व्यवहार से। किसी बहन के घर जाकर उसका हाल पूछने से, किसी भाई को गले लगाने से, किसी बचपन की याद को फिर से जीने से।

भाई दूज का असली अर्थ यही है कि रिश्तों की दीवारों पर समय की धूल जम जाने के बावजूद उनका रंग न फीका पड़े। यह पर्व हमें सिखाता है कि प्रेम का रिश्ता कभी पुराना नहीं होता, बस हमें उसे झाड़-पोंछकर चमकाना आना चाहिए।

आज जब दुनिया 'डिजिटल रिश्तों' की ओर बढ़ रही है, तो ऐसे पर्व हमें धरती से जोड़ते हैं। हमें बताते हैं कि मानवीय भावनाएँ अब भी सबसे बड़ी पूँजी हैं। इसलिए भाई दूज का तिलक केवल माथे पर नहीं, मन पर लगाना चाहिए—जहाँ अपनापन, स्मृति और कृतज्ञता की लकीरें स्थायी रहें।

सम्पादकीय...

सेना प्रमुख का मध्य क्षेत्र के अग्रिम इलाकों का दौरा

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने मध्य क्षेत्र की अग्रिम चौकियों का दौरा कर परिचालन तैयारियों का आकलन किया, सैनिकों का उत्साहवर्धन किया तथा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में असैन्य-सैन्य संबंधों को और सुदृढ़ किया। थल सेनाध्यक्ष ने अपनी यात्रा के दौरान पिथौरागढ़ के ऊंचाई वाले इलाकों और आसपास की अग्रिम चौकियों पर तैनात सैन्य संरचनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने उन्नत निगरानी प्रणालियों, विशेषज्ञ गतिशीलता मंचों, अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों के एकीकरण, टोही परिसंपत्तियों के अनुकूलन और संबद्ध सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय सहित वर्तमान में जारी अन्य क्षमता-वृद्धि कार्यक्रमों की समीक्षा की। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने चुनौतीपूर्ण भूभाग में सैनिकों की कार्य कुशलता, अनुशासन, सामरिक दक्षता और नए उपकरणों के नवाचारी उपयोग की भी सराहना की। सेना प्रमुख ने दूरदराज के क्षेत्रों में तैनात सैनिकों से बातचीत करते हुए विषम जलवायु परिस्थितियों और कठिन भूभाग में उनके अदम्य साहस, लचीलेपन एवं कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा की। उन्होंने उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय सेना की पूर्ण तैयारी पर विश्वास व्यक्त किया और -स्वयं से पहले सेवा- के आदर्श को आत्मसात करने का आह्वान किया। जनरल द्विवेदी ने पूर्व सैनिकों एवं स्थानीय समुदायों से भी संवाद किया। सेना प्रमुख ने उनके योगदान और बलिदान को नमन किया तथा सभी रैंकों व उनके परिजनों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। सेना प्रमुख ने कुमाऊं क्षेत्र के सामरिक महत्व पर बल देते हुए विशेष रूप से नेपाल और चीन से लगते सीमावर्ती इलाकों के प्रवेश द्वार के रूप में स्थानीय लोगों की देशभक्ति, समन्वय एवं अटूट संकल्प के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कुमाऊं रेजिमेंट की गौरवशाली विरासत का उल्लेख किया और ऑपरेशन सद्भावना तथा वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत की जा रही गतिविधियों की समीक्षा की, जिनमें गर्ब्यांग व कालापानी में टेंट आधारित होमस्टे, सड़क अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण, हाइब्रिड पावर सिस्टम की स्थापना, चिकित्सा शिविरों का आयोजन और पॉलीहाउस के माध्यम से कृषि सहायता जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने इस बात पर बल दिया कि कुमाऊं में भारतीय सेना -करुणा के साथ शक्ति की भावना का सजीव प्रतीक है, जो सीमावर्ती समुदायों को सशक्त बनाते हुए राष्ट्र की सीमाओं की दृढ़तापूर्वक रक्षा कर रही है। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने दौरे का समापन करते हुए परिचालन उत्कृष्टता को निरंतर बनाए रखने, असैन्य-सैन्य सद्भाव को और प्रगाढ़ करने तथा राष्ट्र के प्रति कर्तव्य, सम्मान एवं सेवा की गौरवशाली परंपराओं को अडिग रूप से बनाए रखने के भारतीय सेना के अटल संकल्प की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

> सेना प्रमुख ने कुमाऊं क्षेत्र के सामरिक महत्व पर बल देते हुए विशेष रूप से नेपाल और चीन से लगते सीमावर्ती इलाकों के प्रवेश द्वार के रूप में स्थानीय लोगों की देशभक्ति, समन्वय एवं अटूट संकल्प के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कुमाऊं रेजिमेंट की गौरवशाली विरासत का उल्लेख किया और ऑपरेशन सद्भावना तथा वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत की जा रही गतिविधियों की समीक्षा की, जिनमें गर्ब्यांग व कालापानी में टेंट आधारित होमस्टे, सड़क अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण, हाइब्रिड पावर सिस्टम की स्थापना, चिकित्सा शिविरों का आयोजन और पॉलीहाउस के माध्यम से कृषि सहायता जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने इस बात पर बल दिया कि कुमाऊं में भारतीय सेना करुणा के साथ शक्ति की भावना का सजीव प्रतीक है, जो सीमावर्ती समुदायों को सशक्त बनाते हुए राष्ट्र की सीमाओं की दृढ़तापूर्वक रक्षा कर रही है।

रूस के कलमीकिया में सफल प्रदर्शनी के बाद भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भारत वापस लौटे

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष, जिन्हें भारत की राष्ट्रीय निधि घोषित किया गया है, रूस के कलमीकिया गणराज्य में सप्ताह भर की एक ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण प्रदर्शनी के बाद औपचारिक रूप से भारत वापस लौट आए हैं। महामहिम उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल रविवार को कलमीकिया की राजधानी एलिस्टा से रवाना हुआ, जिसके साथ ही 11 से 18 अक्तूबर, 2025 के दौरान आयोजित कार्यक्रम का समापन हो गया। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी), राष्ट्रीय संग्रहालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्देश्य साझी बौद्ध विरासत का उत्सव मनाना और भारत एवं रूस के बीच लोगों के बीच गहरे पारस्परिक संबंधों को मजबूत करना था। इस प्रदर्शनी के समापन के उपलक्ष्य में एलिस्टा स्थित केन्द्रीय मंदिर, -बुद्ध शाक्यमुनि के स्वर्णिम निवास- में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। श्रद्धेय भिक्षुओं

और श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए, उपराज्यपाल सिन्हा ने इस आयोजन के गहन प्रभाव पर प्रकाश डाला। उपराज्यपाल ने कहा, -भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष रूस के कलमीकिया में एक सप्ताह तक चली प्रदर्शनी के बाद स्वदेश लौट आए हैं। इस प्रदर्शनी ने आपसी समझ को बढ़ावा देने, विश्वास एवं सहयोग का निर्माण करने और साझा आध्यात्मिक अनुभवों के जरिए स्थायी संबंध बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भौतिक अवशेष भले ही वापस आ गए हैं, कलमीकिया में भगवान बुद्ध की स्थायी उपस्थिति साधकों को उनकी जागृति में मार्गदर्शन करती रहेगी। उन्होंने पिछले सप्ताह को ऐतिहासिक और आशीर्वाद से भरा- बताया, जो कलमीकिया के लोगों के लिए खुशी और आध्यात्मिक तृप्ति लेकर आया। अपने संबोधन में, उपराज्यपाल श्री सिन्हा ने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं की शाश्वत प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला और मानव जगत से दया, ज्ञान एवं न्याय पर आधारित दुनिया के निर्माण का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें दया से परिपूर्ण, सभी प्रकार के भेदभावों से मुक्त और प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर रहने वाली दुनिया का निर्माण करना चाहिए। मेरा दृढ़ विश्वास है कि बुद्ध की शिक्षाएं मानव जगत को इस दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करेंगी। इस आयोजन के कूटनीतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आदान-प्रदान सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है-। उन्होंने कहा कि यह आदान-प्रदान शांति, आध्यात्मिक लोकाचार और दया से परिपूर्ण जीवन के स्थायी मूल्यों में साझा विश्वास पर आधारित है। उन्होंने उपस्थित लोगों को बुद्ध के संदेश के मूल को याद दिलाते हुए अपने संबोधन का समापन किया। उन्होंने कहा अपने आप में एक प्रकाश बनें - अपने भीतर देखें क्योंकि प्रकाश और शुद्ध जागृति आपके भीतर ही है। पवित्र अवशेषों की इस सफल प्रदर्शनी ने दोनों देशों के बीच आध्यात्मिक संबंध को गहरा करने, साझा विरासत को मजबूत करने और भावी पीढ़ियों के लिए शांति एवं सजगता के एक साझा दृष्टिकोण को बढ़ावा देने का काम किया है। यह प्रदर्शनी भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी), राष्ट्रीय संग्रहालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) का एक संयुक्त प्रयास था, जो दुनिया भर में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रहा है।

गोवर्धन पूजा से श्रद्धा बढ़े, दिखावा नहीं

— डॉ. सत्यवान सौरभ

दीपों की कतारें अभी बुझी भी नहीं होतीं कि अगली सुबह गोवर्धन पर्व आ जाता है। यह त्योहार केवल भगवान कृष्ण की पूजा नहीं, बल्कि प्रकृति, गोवंश और सामूहिक श्रम के प्रति कृतज्ञता का उत्सव है। यह पर्व उस सादगी, मिट्टी की सुगंध और मन की पवित्रता का प्रतीक है, जो भारतीय संस्कृति की जड़ों में रची-बसी है। लेकिन जब श्रद्धा का अर्थ केवल दिखावे, फोटो और स्टेटस तक सीमित रह गया हो, तब -गोवर्धन पूजा से श्रद्धा बढ़े- कहना एक कामना भी है और एक चेतावनी भी।

कृष्ण की कथा में गोवर्धन पूजा का मूल भाव बहुत गहरा है। जब इंद्र के अहंकार से तंग आकर गोकुलवासी भीषण वर्षा में डूबने लगे, तब बालक कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा उंगली पर उठा लिया। इस घटना को केवल एक चमत्कार के रूप में देखना उसके अर्थ को छोटा करना है। असल में यह एक सामाजिक प्रतीक है। यह हमें बताती है कि जब सत्ता अहंकार में अंधी हो जाती है, तब जनसाधारण को अपने सामूहिक साहस से संकट से निकलना पड़ता है। कृष्ण ने गोवर्धन पूजा की परंपरा इसलिए शुरू की ताकि लोग प्रकृति, गोमाता और अपनी श्रमशक्ति को देवत्व के रूप में स्वीकारें—क्योंकि वही असली सहायक हैं, न कि केवल आकाश के देवता।

गोवर्धन पूजा दरअसल प्रकृति पूजा है। गाय, गोबर, गोचर भूमि—ये सब उस पारिस्थितिकी का हिस्सा हैं जिसने भारतीय जीवन को आत्मनिर्भर बनाया। जब हम गोबर, मिट्टी और फूलों से गोवर्धन बनाते हैं, तो वह धरती और पर्यावरण के प्रति हमारी श्रद्धा का प्रतीक होता है। वह एक स्मरण है कि यह मिट्टी ही हमारी असली माता है, जो हर बीज को अंकुरित कर हमें अन्न देती है। लेकिन आज के दौर में यह सब प्रतीक धीरे-धीरे खोते जा रहे हैं। गोबर की जगह प्लास्टिक की सजावट ने ले ली है, मिट्टी की गंध पर परफ्यूम का कब्जा हो गया है। गोवर्धन पूजा अब इंस्टाग्राम पोस्ट बन गई है—जिसमें -हैप्पी गोवर्धन पूजा- के स्टिकर तो हैं, पर गाय के लिए चारा नहीं। श्रद्धा अब धरती पर नहीं, स्क्रीन पर चमकती है।

कृष्ण ने कहा था—-कर्मण्येवाधिकारस्ते।- लेकिन हमने कर्म छोड़कर कर्मकांड को पकड़ लिया। पूजा अब उस भावना से दूर जा रही है जिसमें सामूहिकता, सहयोग और संवेदना थी। पहले गाँवों में सब मिलकर गोवर्धन बनाते थे, बच्चे गोबर लाते, महिलाएँ फूल सजातीं, पुरुष दीप रखते। वह सामूहिक श्रम और सादगी का पर्व था, जिसमें न कोई प्रतियोगिता थी, न तुलना। आज हर घर में अलग-अलग पूजा होती है—मानो वह अहंकार का गोवर्धन हो गया हो। श्रद्धा भी अब प्रदर्शन बन गई है, जिसमें पूजा का असल अर्थ खो गया है।

भारत का सबसे बड़ा विरोधाभास यही है कि हम गाय को -माता- कहकर आँसू बहाते हैं, लेकिन सड़कों पर वही गाय भूख और दर्द से मरती है। गोवर्धन पूजा का केंद्र ही गाय है, और हम उसी केंद्र को भुला चुके हैं। यह कैसी श्रद्धा है जो दीप जलाती है पर एक मुट्ठी चारा देने में कंजूसी करती है? पूजा का अर्थ केवल आरती नहीं, जिम्मेदारी भी है। जब तक हम गोवंश, जल, मिट्टी और वृक्षों के प्रति करुणा नहीं दिखाएंगे, तब तक हमारी पूजा अधूरी रहेगी।

त्योहार अब भक्ति नहीं, भोग का उत्सव बनते जा रहे हैं। गोवर्धन पूजा भी अब -सेल्फी सीज़न- का हिस्सा बन गई है। प्रसाद, थाल और पूजा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपलोड करने की होड़ लग जाती है। लेकिन असली भोग—जो सेवा, संतोष और सादगी में था—वह कहीं खो गया है। हमारी दादी-नानी के समय यह पर्व मिट्टी और मेहनत की खुशबू से भरा होता था। अब यह कृत्रिम रोशनी और दिखावे का तमाशा बन गया है। श्रद्धा अब कैमरे की फ्लैश पर निर्भर है, आत्मा की रोशनी पर नहीं।

अगर कृष्ण आज होते, तो शायद पूछते—क्या तुम सच में गोवर्धन बना रहे हो, या गोवर्धन के मूल अर्थ को मिटा रहे हो? क्या तुम्हारी पूजा में धरती की गंध है या केवल मॉल की सुगंध? क्या तुम्हारी आरती में गाय की घंटी की आवाज़ है या मोबाइल के नोटिफिकेशन की? ये सवाल हमारे भीतर की श्रद्धा की जाँच करते हैं। क्योंकि भक्ति तभी सार्थक होती है जब वह दूसरों के सुख-दुख में सहभागी बनती है।

ग्रामीण भारत में आज भी यह पर्व आत्मीयता से मनाया जाता है। गाँव की गलियों में बच्चे नंगे पैर गोबर इकट्ठा करते हैं, महिलाएँ पारंपरिक गीत गाती हैं—-गोवर्धन धर्यो गिरधारी।- वहाँ पूजा में सादगी है, पर दिल है। वहीं शहरी भारत में गोवर्धन पूजा -ट्रेंड- बन चुकी है—पाँच मिनट की पूजा, फिर पिज़्ज़ा पार्टी। यह फर्क बताता है कि विकास ने हमें सुविधा तो दी, पर संवेदना छीन ली। हमारी आधुनिकता ने हमें अपने ही मूल से काट दिया है।

जब जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट मानवता के सामने सबसे बड़ा खतरा बन चुके हैं, तब गोवर्धन पूजा का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि ईश्वर से प्रार्थना करने से पहले हमें धरती के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। यह वह समय है जब हमें गोवर्धन पूजा की व्याख्या को नये अर्थों में देखना चाहिए—केवल धर्म नहीं, बल्कि जीवनशैली के रूप में। अगर हम इस दिन पेड़ लगाएँ, गोशाला में सेवा करें, तालाब साफ करें, पशुओं को भोजन दें—तो वही सच्ची श्रद्धा होगी।

श्रद्धा का अर्थ केवल झुकना नहीं, जुड़ना है—धरती से, जल से, पशु से, मनुष्य से। जब श्रद्धा जिम्मेदारी के साथ जुड़ती है, तभी वह भक्ति बनती है। वरना वह सिर्फ रस्म रह जाती है। कृष्ण का गोवर्धन पर्व हमें यही सिखाता है—कि असली धर्म दूसरों के लिए खड़ा होना है।

कृष्ण ने इंद्र का अहंकार तोड़ा था, लेकिन आज हमारे भीतर भी ऐसे सैकड़ों इंद्र पल रहे हैं—लालच, ईर्ष्या, उपभोग, दिखावा और अधिकार की अंधी चाह। हमें इन इंद्रों को शांत करने के लिए अपने भीतर एक गोवर्धन उठाना होगा।

वह गोवर्धन कोई पत्थर का पहाड़ नहीं, बल्कि विवेक, संयम और करुणा का पहाड़ है, जिसे हम सबको मिलकर थामना है।

गोवर्धन पूजा का एक और गहरा पक्ष है—यह पर्व सामूहिकता का उत्सव है। जब गोवर्धन के नीचे सारा गोकुल एकत्र हुआ था, तब किसी ने किसी की जात, पद या संपत्ति नहीं पूछी थी। सब एक ही छत के नीचे थे—बराबर, सुरक्षित, जुड़े हुए। यह दृश्य बताता है कि संकट के समय समाज को एकता में रहना चाहिए। पर आज हम अपने-अपने घरों के भीतर बंद हैं, पूजा भी निजी हो गई है, और समाज से संबंध केवल औपचारिक रह गए हैं। हमें फिर वही सामूहिकता लौटानी होगी, जिसमें साथ रहना भी पूजा है।

यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि शक्ति का अर्थ केवल भौतिक बल नहीं होता। जब बालक कृष्ण ने पर्वत उठाया था, तब वह शारीरिक नहीं, नैतिक शक्ति थी। आज के युग में वह नैतिक शक्ति सबसे बड़ी कमी बन गई है। हमें हर घर में, हर हृदय में एक छोटा-सा गोवर्धन बनाना होगा—जहाँ श्रद्धा, सादगी और करुणा एक साथ बसें।

अगर गोवर्धन पूजा का सच्चा पालन करना है, तो तीन संकल्प लेने होंगे। पहला, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता—हर पूजा के बाद एक पेड़ लगाना या किसी पशु को भोजन देना। दूसरा, सादगी का पुनर्जागरण—दिखावे की जगह सच्चे भाव अपनाना। और तीसरा, सामूहिकता का पुनर्स्थापन—पूजा को फिर से मिल-जुलकर मनाने की परंपरा लौटाना, ताकि समाज में संवाद और संवेदना जिंदा रहे।

आज का समय ऐसा है जब श्रद्धा की परिभाषा बदल रही है। श्रद्धा अब विज्ञापनों और प्रचार में दिखने लगी है, पर जीवन से गायब हो रही है। हम मंदिरों में झुकते हैं, पर किसी घायल गाय या भूखे इंसान के आगे नहीं रुकते। हम दीये जलाते हैं, पर अपने मन के अंधकार से डरते हैं। यही वह विच्छेदन है जो हमें भीतर से खोखला बना रहा है। गोवर्धन पूजा उस खोखलेपन को भरने का अवसर है—अगर हम चाहें तो।

यह पर्व केवल धार्मिक कृत्य नहीं, बल्कि नैतिक अनुबंध है—मनुष्य और प्रकृति के बीच। यह याद दिलाता है कि देवता की पूजा से पहले धरती की सेवा जरूरी है। गोवर्धन पर्वत अब कोई भौतिक शिला नहीं, बल्कि हमारे भीतर का आत्मबल है, जो संकट के समय खड़ा रहता है। इंद्र अब कोई स्वर्गीय देव नहीं, बल्कि हमारी इच्छाओं का प्रतीक है, जो हर सुख पर वर्षा की तरह गिरना चाहता है। और कृष्ण वह विवेक है जो उसे संयम सिखाता है।

जब हम कहते हैं -गोवर्धन पूजा से श्रद्धा बढ़े-, तो इसका अर्थ केवल पूजा-पाठ की बढ़ोतरी नहीं, बल्कि आस्था की गहराई से है। श्रद्धा वह शक्ति है जो हमें कर्तव्य के प्रति सचेत करती है। अगर श्रद्धा बढ़ी, तो समाज में संवेदना बढ़ेगी; अगर श्रद्धा गहरी हुई, तो राजनीति में नैतिकता लौटेगी; अगर श्रद्धा सच्ची हुई, तो पर्यावरण बचेगा।

हमारे समाज को आज एक ऐसे गोवर्धन की जरूरत है जो दिखावे के नहीं, दायित्व के पत्थरों से बना हो। एक ऐसे पर्व की, जो हमें सजावट नहीं, सच्चाई सिखाए। एक ऐसी श्रद्धा की, जो सोशल मीडिया पर नहीं, समाज के भीतर बसे। गोवर्धन पूजा का सार यही है—जहाँ प्रकृति, पशु और मनुष्य एक सूत्र में बंधे हों।

कृष्ण का संदेश बहुत सीधा है—-जब संकट आये, तो पर्वत उठाओ, पर मिलकर।- यही वह पंक्ति है जो आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी तब थी। अगर हम गोवर्धन पूजा के दिन अपने भीतर यह संकल्प लें कि हम दिखावे से अधिक जिम्मेदारी निभाएँगे, तो यही पूजा सबसे पवित्र होगी।

गोवर्धन पूजा हमें याद दिलाती है कि मिट्टी में ही जीवन की सबसे सच्ची सुगंध है, और उसी मिट्टी से हमारी श्रद्धा भी अंकुरित होती है। वह मिट्टी जो गाय के खुरों से पवित्र होती है, किसान के श्रम से सींची जाती है, और आकाश की धूप से सुनहरी बनती है। जब तक हम इस मिट्टी का आदर नहीं करेंगे, तब तक कोई भी पूजा पूर्ण नहीं होगी।

इसलिए इस बार जब दीप जलाएँ, तो साथ एक वचन भी लें—कि गोवर्धन पूजा से केवल घर नहीं, मन भी उजले होंगे। श्रद्धा केवल आरती की लौ में नहीं, व्यवहार की रोशनी में भी दिखेगी। तभी हम सच्चे अर्थों में कह सकेंगे—

-गोवर्धन पूजा से श्रद्धा बढ़े, दिखावा नहीं।

क्योंकि श्रद्धा बढ़ी तो ईश्वर अपने आप हमारे भीतर उतर आएगा, और शायद तब हमें किसी गोवर्धन की जरूरत ही नहीं पड़ेगी—क्योंकि हर मन स्वयं पर्वत बन जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने चन्दन ऑफसेट प्रिंटर्स, ए-9, साउथ पीपल्स प्लेस, दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/00882)

पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 7 विकेट से हराया

पर्थ, (हि.स.)। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में खेले गए पहले वनडे मैच में भारतीय टीम को सात विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के बीच अगला मैच 23 अक्टूबर को एडिलेड में खेला जाएगा। मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत ने बल्लेबाजी की और बार्ष से बाधित मैच में 26 ओवर में नौ विकेट पर 136 रन बनाए। बारिश के कारण मैच कई बार रोकना पड़ा, जिसके कारण ओवरों में कटौती की गई और

मुकाबला 26 ओवर का कराया गया। भारत की पारी के बाद मेजबान टीम को डकवर्थ लुइस नियम के तहत जीत के लिए 26 ओवर में 131 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 21.1 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 131 रन बनाते हुए लक्ष्य को हासिल कर लिया। भारत के खिलाफ 131 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड आठ रन बनाकर आउट हुए। हेड को अर्शदीप सिंह ने पवेलियन भेजा। इसके बाद अक्षर पटेल ने मैथ्यू शॉर्ट को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को दूसरा झटका दिया है। मैथ्यू भी आठ रन बनाकर आउट हुए। दो विकेट गिरने के बाद कप्तान मिचेल मार्श और जोश फिलिप ने 50 रन से ज्यादा की साझेदारी कर टीम को जीत के करीब ले गए। टीम जीत की ओर बढ़ रही थी, इसी बीच 99 के कुल स्कोर फिलिप 29 गेंदों में 37 रन बनाकर आउट हो गए।

आखिर में कप्तान मार्श ने 52 गेंदों पर नाबाद 46 रन और मैट रैंशॉ ने नाबाद 21 रन बनाते हुए टीम को जीत दिला दी। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर ने एक-एक विकेट लिया।

लियोनेल मेसी की हैट्रिक से इंटर मियामी ने नैशविले को 5-2 से हराया

नैशविले (अमेरिका), (हि.स.)। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने मेजर सॉकर लीग (एमएलएस) 2025 में शानदार प्रदर्शन करे हुए अपने करियर की दूसरी एमएलएस हैट-ट्रिक बनाई है। उनके इसी प्रदर्शन के दम पर इंटर मियामी ने नैशविले एससी पर 5-2 से जीत हासिल की। मेस्सी इस सीजन में 29 गोल के साथ सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। पिछली बार उन्होंने 19 अक्टूबर को इंटर मियामी की न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन पर 6-2 की जीत में हैट्रिक बनाई थी। मेसी ने 35वें मिनट में अपना पहला गोल किया और इंटर मियामी को 1-0 की बढ़त दिलाई। नैशविले एससी ने 43वें मिनट में सैम सरिज के हेडर से जवाब दिया और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। नैशविले एससी की कोशिश पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम के छठे मिनट में रंग लाई, जब जैकब शैफेलबर्ग ने है गोल करके 2-1 की बढ़त बना ली। 63वें मिनट में मेसी ने अपना दूसरा गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। चार मिनट बाद, बाल्टासर रोड्रिगेज ने गोल मारकर इंटर मियामी को 3-2 की बढ़त दिला दी। मेसी ने 81वें मिनट में बॉक्स के सेंटर से बाएं पैर से शॉट मारकर अपना तीसरा गोल किया और बढ़त को 4-2 कर दिया। टेलास्को सेगोविया ने स्टॉपेज के एक मिनट बाद इंटर मियामी का पांचवां गोल करके जीत पक्की कर दी। इंटर मियामी के डिफेंडर इयान फ्रे ने मेसी के प्रदर्शन पर कहा, 'यह साफ है कि वह (मेसी) हमें हर रात फायदा पहुंचाते हैं। उनके बारे में कहने के लिए शब्द कम हैं।'

तेलुगु टाइटंस नौ साल बाद प्लेऑफ में, कोच कृष्ण कुमार हूडा बोले- टीम अब दिखेगी और भी आक्रामक

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 में तेलुगु टाइटंस ने नौ साल बाद प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है। शनिवार रात त्यागराज इंडोर स्टेडियम में पुनेरी पलटन को 40-31 से हराकर टीम ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। टीम की ओर से कप्तान विजय मलिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सुपर 10 हासिल किया। गौरतलब है कि 2016 में खेले गए पीकेएल सीजन 4 के बाद यह पहला मौका है, जब तेलुगु टाइटंस प्लेऑफ में पहुंची है। यह कोच कृष्ण कुमार हूडा का टीम के साथ दूसरा सीजन है।

इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए हूडा ने रविवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, ह्ययह जीत हमारे लिए बहुत अहम थी। टीम कई सालों से प्लेऑफ में नहीं पहुंची थी। मैं खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और पूरी टीम का धन्यवाद करता हूं। खिलाड़ियों ने बहुत मेहनत की है और भले कुछ नतीजे हमारे हक में न रहे हों, लेकिन सभी ने शानदार खेल दिखाया है।ह्व कप्तान विजय मलिक ने भी इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा, ह्ययह टीम, कोच और प्रबंधन सभी की सामूहिक मेहनत का नतीजा है। प्लेऑफ में जगह बनाना आसान नहीं होता। मैं हमारे फैन्स का भी धन्यवाद करना चाहता हूं,

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सिरीज का पहला मुकाबला आज

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला आज ऑस्ट्रेलिया के पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में खेला जाना है। भारतीय समयानुसार ये मुकाबला सुबह 9 बजे से खेला जाएगा। इस मैच से शुभमन गिल पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे, वहीं मिचेल मार्श ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे। वे मुकाबला इस रूप में भी खास होने जा रहा है कि काफी समय बाद दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की जोड़ी मैदान पर होगी। दोनों खिलाड़ी इस साल मार्च में आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में खेलते दिखे थे और दोनों के शानदार खेल की बदौलत रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने यह ट्रॉफी अपने नाम की।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में तन्वी शर्मा को रजत पदक

गुवाहाटी, (हि.स.)। भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। फाइनल मुकाबले में थाईलैंड की दूसरे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अन्यापत फिचितप्रीचासाक ने तन्वी को सीधे गेमों में 15-7, 15-12 से पराजित किया। इससे पहले एशियाई अंडर-17 जूनियर चैंपियनशिप 2023 में तन्वी ने फिचितप्रीचासाक को हराया था, लेकिन इस बार थाई खिलाड़ी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। तन्वी शर्मा अब वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली पांचवीं भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले अपर्णा पोपट (1996), साईना नेहवाल (2006), सिरिल वर्मा (2015) और शंकर मुथुसामी (2022) ने यह उपलब्धि हासिल की थी। गौरतलब है कि अब तक इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से एकमात्र स्वर्ण पदक साईना नेहवाल ने 2008 में जीता था।

अभिजीत और प्रिंस ने किशोरी लाल क्लब को जिताया

प्रयागराज, (हि.स.)। अभिजीत मिश्र के शतक और प्रिंस पाल की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत किशोरी लाल क्लब ने तेजस क्लब को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की अंडर-16 क्रिकेट सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। नैनी स्थित किशोरी लाल पीजी कॉलेज मैदान पर रविवार से शुरू हुई सीरीज के पहले मैच में तेजस क्लब ने 36.1 ओवर में 252 रन (सुधांशु सिंह 55, साहिल तिवारी 33, शिवराज 29, सर्वेश सोनकर व शुभ केसरी 24-24, आयुष पांडेय 3-09, युसूफ खान 2-44, राज सोनकर 2-19, सृजन पटेल 1-26, रुद्र राज सिंह 1-31) बनाये। जवाब में किशोरी लाल क्लब ने 33.3 ओवर में चार विकेट पर 258 रन (अभिजीत मिश्र 100 नाबाद, प्रिंस पाल 96, सर्वेश सोनकर 2-55, विशु यादव 1-28, साहिल तिवारी 1-52) बना लिये। अभिजीत मिश्र को एनआईएस क्रिकेट कोच परवेज आलम ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। किशोरी लाल क्लब के कोच विवेक गुप्ता ने उनका स्वागत किया।

रांची में आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल झारखंड ओपन कराटे खिलाड़ियों की तैयारी हुई पूरी

रांची, (हि.स.)। झारखंड की राजधानी रांची में इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी (इमा) की ओर से आयोजित सात दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हो गया, जिसमें खिलाड़ियों को एडवांस कुमिते (फाइटिंग) और काता (फॉर्म) का प्रशिक्षण दिया गया। यह शिविर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों की तैयारी का हिस्सा था। रांची के बिशप स्कूल में आगामी 15 नवंबर से आयोजित होने वाली दूसरी सिकोकई झारखंड ओपन कराटे चैंपियनशिप की तैयारियों को लेकर मेजबान टीम रांची के खिलाड़ियों के लिए आयोजित पहले चरण का सात दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर रविवार को संपन्न हुआ। इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी (इमा) के मुख्य प्रशिक्षण केंद्र संत जोसेफ क्लब, रांची में आयोजित इस शिविर का आयोजन सिकोकई कराटे इंटरनेशनल झारखंड और इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। शिविर का उद्देश्य आगामी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों की तकनीकी तैयारी को मजबूत करना था। शिविर के दौरान खिलाड़ियों को कुमिते और काता की उन्नत तकनीकों के साथ-साथ विश्व कराटे महासंघ (डब्ल्यूकेएफ) के नए नियमों की जानकारी दी गई। इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के तकनीकी निदेशक सह नेशनल कोच शिहान सुनील किस्पोट्टा ने खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने खिलाड़ियों को विभिन्न तकनीकों के माध्यम से स्कोर करने के आधुनिक तरीके सिखाए। सुनील किस्पोट्टा ने इस मौके पर बताया कि रांची के विभिन्न स्कूलों और क्लबों के खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। सात दिनों के इस अभ्यास से खिलाड़ियों की तकनीकी क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। आने वाली चैंपियनशिप में वे बेहतर प्रदर्शन करेंगे। शिविर के दूसरे चरण का आयोजन जल्द ही किया जाएगा, जिसमें अन्य स्कूलों और क्लबों के खिलाड़ी भाग लेंगे। इस प्रशिक्षण शिविर के सफल आयोजन में इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के अध्यक्ष संसाइ अनिल किस्पोट्टा सहित कई प्रशिक्षकों और सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दिवाली पर सनी देओल का बड़ा सरप्राइज, अनाउंस की नई फिल्म 'गबरू'

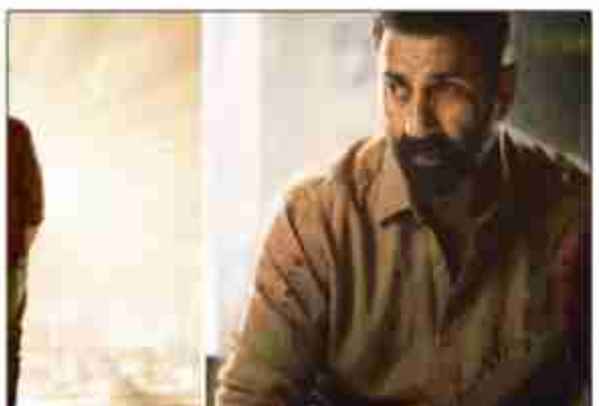

सनी देओल एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। पिछली बार वह फिल्म 'जाट' में नजर आए थे, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था और जिसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। अब सनी देओल के पास फिल्मों की लंबी लाइनअप है, एक ओर वह 'बॉर्डर 2' से जोरदार वापसी करने वाले हैं, वहीं दिवाली और अपने जन्मदिन के खास मौके पर उन्होंने अपनी नई फिल्म 'गबरू' की घोषणा कर दी है। सनी ने सोशल मीडिया पर फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, ह्यताकत वो नहीं है, जो आप दिखाते हैं, ताकत वो है जो आप करते हैं। आप सभी के प्यार और आशीर्वाद के लिए शुक्रिया। यहां आप सबके लिए कुछ है, जिसका आप इंतजार कर रहे थे। 'गबरू' सिनेमाघरों में 13 मार्च 2026 को रिलीज होगी। ये साहस, विवेक और करुणा की कहानी है, मेरे दिल से... दुनिया के लिए।ह्व सनी का यह पोस्ट सामने आते ही उनके प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। वर्तमान में सनी देओल 'लाहौर 1947' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ प्रीति जिंटा नजर आएंगी। इसके अलावा, उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बॉर्डर 2' भी रिलीज के लिए तैयार है, जिसमें दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी और वरुण धवन जैसे सितारे शामिल हैं।

500 करोड़ के क्लब में शामिल हुई 'कांतारा चैप्टर 1'

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' इस वक्त बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाए हुए है। 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने 16 दिनों के भीतर जबरदस्त कमाई करते हुए आखिरकार 500 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री ले ली है। हालांकि कारोबारी दिनों में इसकी कमाई में थोड़ी गिरावट देखी गई थी, लेकिन वीकेंड पर फिल्म ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने अपने तीसरे शनिवार यानी 17 अक्टूबर को बॉक्स ऑफिस पर करीब 12.50 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। इससे एक दिन पहले 16 अक्टूबर को फिल्म का कलेक्शन 8.5 करोड़ रुपये रहा था। वीकेंड और दिवाली के माहौल का फायदा ऋषभ शेट्टी की फिल्म को साफ तौर पर मिल रहा है। कुल मिलाकर, रिलीज के 17वें दिन तक 'कांतारा चैप्टर 1' का कलेक्शन 506.25 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। इस शानदार परफॉर्मेंस के साथ यह फिल्म साल 2025 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। अब इसकी नजरें विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' के रिकॉर्ड पर टिकी हैं, जिसने अब तक 603 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। वहीं, बॉक्स ऑफिस पर अब ऋषभ की फिल्म को कड़ी टक्कर देने आ रही है आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'थामा', जो 21 अक्टूबर (दिवाली) के मौके पर रिलीज होगी। --

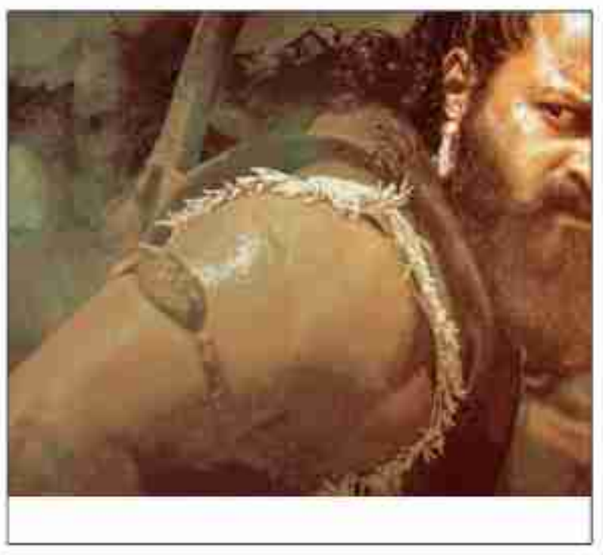

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक 3 महीने बाद घरेलू शेयर बाजार में खरीदार बनकर

नई दिल्ली, (हि.स.)। लगातार 3 महीने से घरेलू शेयर बाजार में बिकवाल (सेलर) की भूमिका निभा रहे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) अब खरीदार (बायर) की भूमिका में नजर आने लगे हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में अभी तक शुद्ध रूप से 6,480 करोड़ रुपये का निवेश किया है। शेयर बाजार की तरह घरेलू बॉन्ड बाजार में भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने पूरे उत्साह के साथ निवेश किया है। इस महीने 17 अक्टूबर तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक बॉन्ड बाजार में जनरल लिमिट के तहत 5,332 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके थे। इसके अलावा उन्होंने वॉलंटरी रिटेंशन रूट के जरिए भी 214 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अक्टूबर के पहले के लगातार 3 महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक घरेलू शेयर बाजार में बिकवाल की भूमिका निभा रहे थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार से अक्टूबर के पहले सितंबर के

महीने में 23,850 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। इसी तरह अगस्त के महीने में एफपीआई ने 34,990 करोड़ रुपये और जुलाई के महीने में 17,700 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। साल 2025 की बात करें, तो जनवरी से अभी तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक घरेलू शेयर बाजार से लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि वैश्विक स्तर पर छाई अनिश्चितता के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा घरेलू शेयर बाजार में नए सिरे से निवेश करने की बात को बाजार के सेंटीमेंट में हो रहे बड़े बदलाव का संकेत माना जा सकता है। घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की वापसी वैश्विक स्तर पर भारतीय बाजार के प्रति लगातार बढ़ रहे विश्वास को भी दर्शाता है। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी के अनुसार भारत में जिस तरह से विकास दर की रफ्तार बनी हुई है और महंगाई पर काबू पाने में सफलता हासिल की गई है, उससे भारतीय बाजार के प्रति विदेशी निवेशकों में भरोसा बढ़ा है। इसी तरह खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती के साथ ही जिस तरह से वैश्विक स्तर पर लिक्विडिटी की स्थिति में सुधार हो रहा है, उससे भी विदेशी निवेशकों का उत्साह बढ़ा है। खासकर, अमेरिका में ब्याज दरों में एक बार फिर कटौती होने का संकेत मिलने के बाद से विदेशी निवेशक भारत जैसे हाई रिटर्न वाले बाजारों में अपना निवेश बढ़ाने लगे हैं।

शेयर बाजार में दिवाली की छुट्टी 21 अक्टूबर को, सोमवार को होगा सामान्य

नई दिल्ली, (हि.स.)। घरेलू शेयर बाजार में इस सप्ताह चार दिन छुट्टी रहने वाली है। इन चार दिनों में दो दिन दिवाली और दिवाली बलि प्रतिपदा की छुट्टी होगी, जबकि दो दिन शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश होगा। इस सप्ताह शेयर बाजार में सिर्फ तीन दिन ही ट्रेडिंग होगी। हालांकि इस सप्ताह दिवाली की छुट्टी को लेकर शेयर बाजार में असमंजस की स्थिति भी बनी रही। देश के ज्यादातर हिस्सों में दिवाली कल मनाई जा रही है। दिवाली के मौके पर अन्य संस्थाओं की तरह शेयर बाजार में भी छुट्टी होती है। इस दिन परंपरागत रूप से होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए शेयर बाजार सिर्फ 1 घंटे के लिए खुलता है। दिवाली के दिन यानी 21 अक्टूबर को

मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए बीएसई और एनएसई दोपहर 1:45 बजे से 2:45 बजे तक 1 घंटे के लिए खुलेगा। मुहूर्त ट्रेडिंग शुरू होने के पहले दोपहर 1:30 से 1:45 बजे तक प्री-ओपन सेशन भी रहेगा, जिससे ट्रेडर्स ट्रेडिंग के लिए तैयारी कर सकेंगे। मुहूर्त ट्रेडिंग का ये सत्र निवेशकों के लिए काफी अहम माना जाता है। कुछ कारोबारी इस मौके पर हुई ट्रेडिंग को अपने आने वाले साल का संकेत भी मानते हैं। अगर मुहूर्त ट्रेडिंग के रिकॉर्ड की बात करें, तो पिछले 16 सालों में से 13 बार इस विशेष सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों बढ़त के साथ बंद हुए हैं। पिछले साल यानी 2024 की दिवाली के मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन में सेंसेक्स 335.06 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 79,724.12 के स्तर पर और निफ्टी 99 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 24,304.35 पर बंद हुए थे। बीएसई और एनएसई की ओर से जो सूचना अभी तक जारी की गई है, उसके मुताबिक सोमवार यानी 20 अक्टूबर को शेयर बाजार खुले रहेंगे, जबकि 21 अक्टूबर को दिवाली और लक्ष्मी पूजा की छुट्टी रहेगी। इसके अगले दिन 22 अक्टूबर को भी घरेलू शेयर बाजार दिवाली बलि प्रतिपदा के मौके पर बंद रहेगा। इस तरह घरेलू शेयर बाजार में लगातार दो दिन एक 21 और 22 अक्टूबर को छुट्टी रहेगी। इसके बाद 23 और 24 अक्टूबर को सामान्य कारोबार होगा, जबकि 25 अक्टूबर को शनिवार और 26 अक्टूबर को रविवार के चलते स्टॉक मार्केट बंद रहेंगे।

गंधक पोटाश से झुलसा किशोर हालत गंभीर आगरा

फिरोजाबाद थाना मक्खनपुर के गांव बिलटीगढ़ में रविवार को दोपहर गंधक पोटाश नाल में भरकर चलाते समय किशोर गंभीर रूप से झुलस गया जिसे परिजन उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आए जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे आगरा रेफर कर दिया गया थाना मक्खनपुर के गांव बिलटीगढ़ निवासी 13 वर्षीय समीर पुत्र महीपाल रविवार की दोपहर नाल में गंधक पोटाश भर कर चला रहा था तभी अचानक नाल स्लिप हो गई और गंधक पोटास के ऊपर गिर गया जिसके फल स्वरूप वह गंभीर रूप से झुलस गया जिससे परिवार में हड़कंप मच गया परिजन उसे आनंन फानन में उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आए जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद दशा नाजुक देख

पुलिस ने शादी का झांसा दे दुष्कर्म का अभियुक्त

फिरोजाबाद। थाना रसूलपुर पुलिस ने शादी का झांसा दे महिला के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे जेल भेजा है।

थाना रसूलपुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त का गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे रेलवे रोड के किनारे गली नंबर 2 नीबू वाला बाग के पास से पकड़ा है। पकड़े गए अभियुक्त का नाम आर्यन गुप्ता पुत्र मनोज गुप्ता बताया है। वह गली नंबर 14 एकतानगर थाना रसूलपुर का रहने वाला है। उसके खिलाफ थाने पर धारा 69 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज है।

मादक पदार्थ सहित अभियुक्त

फि रोजाबाद। थाना बसई मौहम्मदपुर पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया है। पथाना बसई मौहम्मदपुर ने पुलिस बल ने मुखबिर की सूचना पर एक अभियुक्त को ईथौन पुल से पकड़ा है। पुलिस ने पकड़े गए अभियुक्त का नाम विजेन्द्र पुत्र हेतराम बताया है। वह नगला बरी थाना रिजोर जनपद एटा का रहने वाला है। पुलिस ने पकड़े अभियुक्त के पास से एक ई ओन गाडी रंग नीला बिना नम्बर प्लेट तथा 20 किलो 32 ग्राम गांजा बरामद किया।

पुलिस ने पकड़े गए चार पहिया गाडी को धारा 207 एमवी एक्ट के तहत सीज कर दियागिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर उसके खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने उसे जेल भेजा है।

विद्युत लाइन ठीक करते समय पोल से गिरकर संविदा कर्मी की मौत

फिरोजाबाद थाना सिरसागंज क्षेत्र में शनिवार की रात विद्युत लाइन ठीक करते समय पोल से गिरकर एक संविदा कर्मी की मौत हो गई पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम जिला अस्पताल में कराया है थाना अरांव क्षेत्र के राहतपुर निवासी 30 वर्षीय उम्मेद सिंह पुत्र राम भरोसी लाल संविदा कर्मी लाइनमैन के रूप में काम करता था वह रोजाना की तरह सिरसागंज में पोल पर काम कर रहा तभी अचानक उसका पैर फिसल गया और वह जमीन पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया साथी कर्मचारियों में हड़कंप मच गया सूचना मिलते ही विद्युत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए तब तक उम्मेद सिंह ने दम तोड़ दिया घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची शव को देख परिजनों में कोहराम मच गया पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लेकर आई जहां देर रात्रि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है

दो बाइकों की भिड़ंत में महिला सहित तीन लोग घायल

फिरोजाबाद थाना नारखी क्षेत्र के गांव गोच के समीप दो बैकों में भिड़ंत हो गई जिसके फल स्वरुप उन पर सवार तीनों लोग घायल हो गए पुलिस तीनों घायलों को उपचार के लिए ट्रामा सेंटर लेकर आई है थाना फरिया क्षेत्र के गांव नगला कुरु निवासी 22 वर्षीय अर्जुन पुत्र राकेश कुमार रविवार की प्रातः अपनी 50 वर्षीय दादी शांति देवी पत्नी भीमसेन को बाइक पर बैठाकर एत्मादपुर जा रहा था तभी थाना नारखी के गांव बदनपुर निवासी 32 वर्षीय विनोद कुमार पुत्र सुभाष चंद्र तेज गति से अपनी बाइक ला रहा था विनोद की बाइक अनियंत्रित होकर अर्जुन की बाइक से टकरा गई जिसके फल स्वरूप तीनों लोग जमीन पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई इधर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आई है जहां तीनों का उपचार जारी है

पोशाक के गोदाम में लगी भीषण आग, मची अफरातफरी

वृंदावन। व्यास घेरा स्थित एक पोशाक के गोदाम में भीषण आग लग गई, जिससे लाखों रुपए का ठाकुरजी की पोशाक और श्रृंगार से संबंधित सामान जलकर राख हो गया। सूचना पाकर पहुंची फायर ब्रिगेड कर्मियों एवं स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार बनखंडी महादेव के समीप व्यास घेरा में हरिवंश पुत्र मुन्ना लाल का ठाकुरजी की पोशाक और मुकुट श्रृंगार का गोदाम है। शनिवार को दोपहर लगभग 1 बजे गोदाम से अचानक धुआं निकलता देख आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई।

बहराइच में नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन

बहराइच। को एक दिन के लिये निशुल्क नेत्र की जांच का आयोजन, अलीगढ़ मुस्लिम यूनीवर्सिटी के संस्थापक एवं महान शिक्षाविद् सर सय्यद अहमद खां के 208 वें जन्म दिवस के मौके पर ह्यूमन वेल्फेयर सोसाइटी बहराइच द्वारा संचालित नूर अस्पताल मोहल्ला नाज़िरपुरा निकट आयशा मस्जिद बहराइच में निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें नेत्र रोग विशेषज्ञ डाक्टर शारिक वदूद खान (MBBS MD DOMS अलीगढ़ मुस्लिम यूनीवर्सिटी) द्वारा आँखों के समस्त प्रकार के रोगों की जाँच की गई तथा नूर अस्पताल के आयोजकों द्वारा मरीजों को मुफ्त दवाएं एवं चश्मे वितरित किये गए। शिविर का उद्घाटन पूर्व भारतीय चिकित्सा परिषद उत्तर प्रदेश सदस्य एवं अल्लामा इक़बाल एजुकेशनल सोसाइटी बहराइच के अध्यक्ष डॉक्टर अब्दुल वजूद खां ने किया इस मौके पर सैकड़ों नेत्र, रोगियों ने अपनी आँखों की जांच कराया और नि,शुल्क दवा व चश्मा भी प्राप्त किय

आम आदमी की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं सोने चांदी

फिरोजाबाद महंगाई की मार से आज आम आदमी परेशान है धनतेरस के दिन मध्यम परिवार के लोग चांदी और सोने के आभूषण खरीदने के लिए सोने को मजबूर है सोने के भाव आसमान छू रहे हैं जिसके लिए गरीब और और मध्यम परिवार के लिए सोना चांदी खरीदना आसमान के तारे तोड़ने के बराबर है मध्यम परिवार के लोग आगामी देव उठानी एकादशी एवं सालिगो में अपनी बेटी को सोना चांदी देने के लिए सोच रहा है किस प्रकार में अपनी पुत्री की शादी में सोने चांदी के

आभूषण दूंगा जहां सोने के भाव लगभग एक लाख चालीस हजार रुपए 10 ग्राम तथा चांदी एक लाख सत्तर हजार रुपए किलो है ऐसे में आम आदमी के लिए गहने बनवाना टेढ़ी खीर हो गया है धनतेरस के दिन बाजार में भीड़ तो दिखाई दी परंतु

54 साल बाद खुला बांकेबिहारी मंदिर का

वृंदावन। जग प्रसिद्ध ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर का तोषखाना शनिवार को खोला गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गठित हाई पावर कमेटी के आदेश पर 54 साल बाद खुले इस तोषखाने को लेकर भक्तों और स्थानीय लोगों में जबरदस्त उत्सुकता थी। बांकेबिहारी मंदिर के तोषखाना को खोलने की प्रक्रिया हाई पावर कमेटी की निगरानी में शनिवार दोपहर को मंदिर के दर्शन बंद होने के बाद करीब 1 बजे से विशेष पूजा-अर्चना के बाद शुरू हुई, क्योंकि मान्यता है कि इस खजाने की रक्षा स्वयं शेषनाग करते हैं। इस दौरान मंदिर परिसर में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी और पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराई जा रही थी। वहीं प्रक्रिया के दौरान सांप के दो बच्चे मिलने से हड़कंप मच गया। सांप के बच्चों को वन विभाग की टीम अपने साथ ले गई। शाम 4 बजे तक चली तक इस प्रक्रिया में 1 संदूक लकड़ी का मिला, जिसके कुंडे टूटे हुए थे। 3 देग, 3 बड़े कलश, 1 परात, 4 बड़े पत्थर गोलाकार, 4 रेलिंग लकड़ी की, एक तख्त बड़ा लकड़ी का मिला। वहीं संदूक में गहने रखने वाले दो बॉक्स, 2 फरवरी 1970 का लिखा एक पत्र और एक चांदी का छोटा सा छत्र मिला है। बताया जा रहा है कि इस दौरान तहखाने से कुछ विशेष वस्तु नहीं मिली हैं। हाई पावर कमेटी ने बताया कि आगे की कार्यवाही के लिए अगली तारीख तय की जाएगी। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट राकेश कुमार, एसपी सिटी राजीव कुमार, एडीएम पंकज वर्मा, सीओ संदीप सिंह और हाई पावर कमेटी के अन्य सदस्य मौके पर मौजूद रहे।

लक्ष्मी पूजन के साथ मनाया गया भाजपा कार्यालय में दीपावली मिलन समारोह

फिरोजाबाद भारतीय जनता पार्टी महानगर जिला अध्यक्ष डॉ सतीश दिवाकर के नेतृत्व में जिला कार्यालय भाजपा मोढ़ा कमेटा पर दीपावली मिलन समारोह व पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया इस दौरान पुरोहितों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ लक्ष्मी पूजन किया गया वहीं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दी गई व आतिशबाजी की गई इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष नानक चंद अग्रवाल अरविंद पचौरी राधेश्याम यादव केशव फौजी रामसेवक यादव आनंद अग्रवाल अवधेश पाठक दीपक गुप्ता कल्लू शैलेंद्र गुप्ता शालू आकाश गुप्ता वरेंद्र पक पिंकी क मांधी दुर्वेश यादव राम लड़ैती लक्की राजकुमार छब्बर वीरेंद्र यादव बाबा निर्मल शर्मा उदय प्रताप सिंह नमन बंसल अनुपम शर्मा देश दीपक राजा भारत सिंह वर्मा अंकित तिवारी अमर सिंह कुशवाहा प्रवीर सेठ गौतम कुशवाहा सतवीर कुमार डॉक्टर एसपी लाल दीपक गुप्ता कल्लू आदि कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे

साप्ताहिक समीक्षा : लगातार तीसरे सप्ताह मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर

नई दिल्ली, (हि.स.)। शुक्रवार यानी 17 अक्टूबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे सप्ताह मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुआ। इस सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 1,451.37 अंक यानी 1.75 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी के साथ 83,952.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने साप्ताहिक आधार पर 424.50 अंक यानी 1.67 प्रतिशत उछल कर 25,709.85 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार के मजबूत होने में घरेलू संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी, विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदार के तौर पर बाजार में वापसी, कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में एक बार फिर कटौती करने का संकेत दिए जाने को मुख्य कारण माना जा रहा है। इसी कारण घरेलू शेयर बाजार पिछले 4 महीने की सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त दर्ज करने में सफल रहा। यह स्थिति भी तब रही, जब अमेरिका में जारी शटडाउन की वजह से वैश्विक स्तर पर चिंता बनी हुई है। इसी तरह अमेरिका और चीन के बीच एक बार फिर शुरू हुए व्यापारिक तनाव ने भी पूरी दुनिया में डर का माहौल बना दिया है, जिसकी वजह से निवेशक सतर्क होकर कारोबार कर रहे हैं। शुक्रवार को खत्म हुए सप्ताह के दौरान बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स

साप्ताहिक आधार पर 1.5 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल महिंद्रा एंड महिंद्रा, अदाणी पावर, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई लोंबार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी, वारी एनर्जीज और एशियन पेंट्स के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर वोडाफोन आइडिया, इंफोसिस, विप्रो, सीमेंस एनर्जी इंडिया, इंडस टावर्स, पतंजलि इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक और पंजाब नेशनल बैंक के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान बीएसई के मिडकैप इंडेक्स में साप्ताहिक आधार पर सपाट स्तर पर कारोबार होता हुआ नजर आया। इस इंडेक्स में शामिल कंटेनर कॉर्प ऑफ इंडिया, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, गोदरेज प्रॉपर्टीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज, पर्सिस्टेंट सिस्टम्स, सोना बीएलडब्ल्यू प्रेसीजन फोर्जिंग्स और ओबेरॉय रियल्टी के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, पीबी फिनटेक, एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स, बंधन बैंक, यस बैंक, आदित्य बिरला फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर, डिक्सन टेक्नोलॉजीज, ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स, गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस और टाटा टेक्नोलॉजीज के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। बीएसई का स्मॉल कैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार में 0.60 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुआ।

ग्राम टांडा मेहतोली में जोहड़ के पास बूरा फैक्टरी के पास 16 अक्टूबर को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

हरिद्वार, (हि.स.)। लक्सर क्षेत्र के ग्राम टांडा मेहतोली में जोहड़ के पास मिले अज्ञात शव की गुत्थी को लक्सर पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक अन्य की तलाश कर रही है। ग्राम टांडा मेहतोली में जोहड़ के पास बूरा फैक्टरी के पास 16 अक्टूबर को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था। पुलिस के प्रयासों के बाद शव की पहचान ग्राम टांडा मेहतोली निवासी नितिन पुत्र स्वर्गीय जातिराम के रूप हुई की। नितिन 14 अक्टूबर से लापता था। 18 अक्टूबर को मृतक के भाई नवीन ने कोतवाली लक्सर में तहरीर देकर गांव के कंवरपाल उर्फ कल्लू, रवि और रजत पर हत्या का आरोप लगाया था। एसएसपी ने पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और

क्षेत्राधिकारी लक्सर को मामले के शीघ्र अनावरण के निर्देश दिए। प्रभारी निरीक्षक राजीव रौथान के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने मैनुअल पुलिसिंग और सीसीटीवी फुटेज की मदद से वारदात का खुलासा कर दिया। पुलिस ने दो आरोपितों कंवरपाल उर्फ सुमित उर्फ कल्लू (27 वर्ष) और रजत पुत्र रवि (24 वर्ष) दोनों निवासी ग्राम टांडा मेहतोली कू को गिरफ्तार कर लिया, जबकि तीसरा आरोपित फिलहाल फरार बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि 14 अक्टूबर की रात तीनों दोस्त साथ में शराब पी रहे थे।